Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme BA 1st MAJOR	Year: 2021-22	Semester: I
Name of Faculty: Dr. Upasana Singh		
Course Title: संस्कृत–पद्य साहित्य एवं व्याकरण	Credits: 6	
Course Code: A020101T	Core Compulsory ; MAJOR	
Max. Marks: 25+ 75	Theory	

Course Outcome:

- संस्कृत वाङ्मय में व्याप्त पारंपरिक ज्ञान–विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव की भावना का विकास करना
- पशु पक्षियों के प्रति सम्मान, प्राणी मात्र की रक्षा की भावना का विकास करना
- राजनीति के गूढ़ तत्वों का ज्ञान,प्रजापालन की भावना का विकास करना
- जीवन प्रबन्धन, सत्संगति,परोपकार की भावना का विकास करना
- संस्कृत भाषा-ज्ञान, सम्भाषण लेखन, व्याकरण का ज्ञान कराना

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
	प्रथम - भाग	
I	**क**–संस्कृत वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान–विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव भारतीय दर्शन, भूगोल,गणित, ज्योतिष तथा वास्तु,योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय **ख**–संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय प्रमुख कवि एवं वैयाकरण आचार्य– वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, भारवि,माघ,श्रीहर्ष, पाणिनि,कात्यायन, पतञ्जलि	4 8
II	रघुवंशम्– प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या (1 - 50) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
III	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
IV	नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1-25) अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10
	द्वितीय–भाग	
V	संज्ञा–प्रकरणम् (लघु–सिद्धान्त कौमुदी)	12
VI	अच् सन्धिः (सूत्र– व्याख्या एवं सूत्र निर्देश–पूर्वक सन्धि एवं सन्धि–	12

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

	विग्रह)	
VII	हल् सन्धिः (सूत्र– व्याख्या एवं सूत्र निर्देश–पूर्वक सन्धि एवं सन्धि–विग्रह)	11
VIII	विसर्ग सन्धिः (सूत्र– व्याख्या एवं सूत्र निर्देश–पूर्वक सन्धि एवं सन्धि–विग्रह)	10

Suggested Readings:

- रघुवंशम्–प्रथमसर्ग, व्याख्याकार - महावीर शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- किरातार्जुनीयम्–प्रथमसर्ग, डॉ राजेन्द्र मिश्र,अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- नीतिशतकम्-भर्तृहरि, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन गोरखपुर
- लघु-सिद्धान्त-कौमुदी, वरदराज,भैमी व्याख्या,भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु-सिद्धान्त-कौमुदी,- (संज्ञा-सन्धि-प्रकरण),डॉ वेदपाल,साहित्य भण्डार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य की रूपरेखा- श्री चन्द्रशेखर पाण्डेय, साहित्य भण्डार मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme BA 1st	Year: 2021-22	Semester: I I
Name of Faculty: Dr. Upasana Singh		
Course Title: संस्कृत गद्य–साहित्य ,अनुवाद एवं संगणक-अनुप्रयोग	Credits: 6	
Course Code: A020201T	Core Compulsory	
Max. Marks: 25+ 75	Theory	

Course Outcome:

- संस्कृत गद्य–साहित्य के कवियों के व्यक्तित्व का ज्ञान कराना
- उत्तम शासक के गुण एवं कर्तव्य का ज्ञान, धन की निरभिमानिता का ज्ञान कराना
- राष्ट्रीय नायक परिचय, राष्ट्रगौरव की भावना का विकास करना
- उत्तम स्वाभिमान की भावना का विकास करना
- कम्प्यूटर का सामान्य ज्ञान
- आधुनिक तकनीकी एवं ऑनलाइन पाठ्यसामग्री को ग्रहण करने का ज्ञान
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद- भाषागत व्याकरण का ज्ञान
- व्याकरण शुध्दि एवं रचना कौशल का ज्ञान

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
	प्रथम - भाग	
I	संस्कृत गद्य–साहित्य का उद्भव एवं विकास प्रमुख– साहित्यकार–बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव	11
II	शुकनासोपदेशः (व्याख्या)	12
III	शिवराजविजयम्–प्रथम निश्वास (व्याख्या)	12
IV	उपर्युक्त दोनो ग्रंन्थो से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न	10
	द्वितीय–भाग	
V	अनुवाद– हिन्दी से संस्कृत मे (नियम निर्देश–पूर्वक) (कारक एवं विभक्ति का ज्ञान अपेक्षित)	12
VI	अनुवाद– संस्कृत (अपठित) हिन्दी अथवा अंग्रेजी मे	11

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

VII	कंप्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कंप्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न साफ्टवेयर कंप्यूटर मे संस्कृत- हिन्दी - लेखन हेतु उपयोगी टूल्स- यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वाइस - टाइपिंग आदि	12
VIII	इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब - सर्च, ई- टेक्स्ट, ई- बुक्स, ई- रिसर्च जनरल, ई- मैग्जीन, डिजिटल- लाइब्रेरी ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफार्म- जूम, टीम, मीट, वेब- एक्स ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म- स्वयं, मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्रेट,शोधगंगा,गूगल स्कॉलर आदि	10

Suggested Readings:

- शुकनासोपदेश कादम्बरी ,डॉ उमेशचंद्र ,प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- शिवराजविजयम्-प्रथम निश्वास, डॉ रमाशंकर मिश्र,चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- रचनानुवादकौमुदी,डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- लघु- सिद्धान्त कौमुदी, वरदराज,भैमी व्याख्या,भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- संस्कृत साहित्य की रूपरेखा- श्री चन्द्रशेखर पाण्डेय, साहित्य भण्डार मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme BA 1st Minor		Year: 2021-22	Semester: I,II
Name of Faculty: Dr. Upasana Singh			
Course Title: भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत		Credits: 4	
Course Code: Q10011		Core Compulsory:	
Max. Marks: 25+ 75		Theory	

Course Outcome:

- छात्र वैज्ञानिक भाषा के रूप मे संस्कृत भाषा के महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिक को जानने समझने योग्य होंगे
- सहज एवं स्वभाविक रूप से भाषागत पारंगतता प्राप्त कर प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न।
- समसामयिक समस्याओ के समाधान हेतू संस्कृत साहित्य मे निहित ज्ञान विज्ञान के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास

Unit	Topics	No. of Lectures: 60
I	भारतीय दर्शन, ज्योतिष, योग और आयुर्वेद का सामान्य परिचय वेदव्यास, वाल्मीकि, कालिदास,बाणभट्ट,पाणिनि और पतंजलि का सामान्य परिचय	12
II	ऋग्वेद भद्रं कर्णेभिः 01-89-08,भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं 03-62-10,स्वस्ति पन्थामनुचरेम 05-51-15,संगच्छध्वं 10-191-02 यजुर्वेद-- त्र्यम्बकं यजामहे 03-60, आ नो भद्रा क्रतवो 25-14,विश्वानि 03-03,यां मेधां 32-34,तच्चक्षुर्देवहितं 36-24 सामवेद- भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम 1874 अथर्ववेद- अभयं मित्राद् 19-15-06,भद्रमिच्छन्तः ऋषयः 19-4 ऐतरेय ब्राहमण- चरन्वै मधु विन्दति 33-3-5 ईशावास्योपनिषद्- ईशावास्यमिदं सर्वं 01,कठोपनिषद् उत्तिष्ठ 14,सह नाववतु-19, मुण्डोपनिषद् सत्यमेव जयते 3-5-6	12
III	हितोपदेश-- मित्रलाभपर्यन्त	12
IV	श्रीमद्भगद्गीता द्वितीय अध्याय 16 से 30,नीतिशतक 1-10 श्लोक	12

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

V	संस्कृत पर्यायवाची शब्द एवं ध्येय वाक्य	12

Suggested Readings:

- ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्त शास्त्री साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- नीतिशतकम्- भर्तृहरि, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार,मेरठ
- श्रीमद्भगवद्गीता गीताप्रेस गोरखपुर
- नीतिशतकम्- भर्तृहरि, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन गोरखपुर
- हितोपदेश- नारायणपण्डित चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
- संस्कृत साहित्य का इतिहास डाॅ,बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर ऋषि , चौखम्बा भारती अकादमी।

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme B.A.II Year	Year: 2021-22	Semester
Name of Faculty: Miss Nishi		
Course Title: नाटकंनाट्यसाहित्येतिहासश्च	Credits: NIL	
Course Code: A -230	Core Compulsory	
Max. Marks: 50	Theory	

Course Outcome:

- पर्यावरण सुरक्षा
- स्त्री सम्मान एवं स्वाभिमान
- अभिनय एवं संभाषण कौशल
- संस्कृत नाट्य साहित्य के इतिहास तथा नाटककारों से परिचय
- तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान
- संस्कृत साहित्य एवं संस्कृति के प्रति गौरव

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	अभिज्ञानशाकुंतलम् मूलपाठस्य व्याख्यात्मकध्ययनम् (प्रथमत: चतुर्थ – अंकपर्यन्तम्)	30
II	अभिज्ञानशाकुंतलम् मूलपाठस्य व्याख्यात्मकध्ययनम् (पंचमत: सप्तम- अंकपर्यन्तम्)	30
III	अभिज्ञानशाकुंतलम् समीक्षात्मक प्रश्ना : सुक्तिव्याख्या च	15
IV	भासस्य नाटकानि, अभिज्ञानशाकुंतलम्, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्, मुद्राराक्षसम्, मृच्छकटिकम्, मालतीमाधवम्, प्रसन्नराघवम्, महावीरचरितम् का सामान्य परिचय	15

Suggested Readings:

- अभिज्ञानशाकुंतलम् साहित्य भंडार, मेरठ
- अभिज्ञानशाकुंतलम् डॉ रघुवीर शास्त्री ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत के प्रमुख नाटककार और उनकी कृतियां - डॉ गंगासागरराय

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme B.A.II Year	Year: 2021-22	Semester
Name of Faculty: Miss Nishi		
Course Title: गद्यकाव्यम्-व्याकरणम्-निबन्धः - गद्यसाहित्येतिहासश्च		Credits:NIL
Course Code: A-231	Core Compulsory	
Max. Marks: 50	Theory	

Course Outcome:

- उत्तम शासक नेता के गुण एवं दायित्व अहंकार आदि से होने वाले दुष्परिणामों का बोध
- राजनीति की शिक्षा
- भाषा ज्ञान एवं रचना कौशलपर्यावरण सुरक्षा
- संस्कृत गद्य साहित्य के इतिहास तथा गद्यकारों से परिचय
- तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान
- संस्कृत साहित्य एवं संस्कृति के प्रति गौरव

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	शुकनासोपदेशः (व्याख्यात्मकध्ययनम्)	30
II	शब्द सिद्धिः - राम , कवि , लता , मति , धेनू , फल , जगत धातु रूप स्मरणम् - लट् , लोट् , लङ , विधिलिंग , लृट् भ्वादिगणे - भू धातु , अदादिगणे - अद् धातु , जुहोत्यादिगणे - हु धातु , दिवादिगणे - दिव् धातु , स्वादिगणे - सु धातु , तुदादिगणे - तुद् धातु , रुधादिगणे - रुध् धातु , तनादिगणे - तन् धातु , क्रयादिगणे - क्री धातु ,चुरादिगणे - चुर् धातु ,	30
III	संस्कृतभाषया निबन्धलेखनम् 1.वेदाः 2.कविः (वाल्मीकिः, व्यासः, कालिदासः, बाणः, दण्डी) 3.संस्कृतभाषा 4.भारतीयासंस्कृति	15
IV	गद्यसाहित्येतिहासः गद्यकारपरिचयः दण्डी , बाणः , सुबंधुः , धनपालः , अंबिकादत्तव्यासः , हृषिकेशभट्टाचार्यः , पंडिताक्षमाराव	15
Suggested Readings:		

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

• शुकनासोपदेश: आचार्य रामनाथ शर्मा सुमन साहित्य भंडार मेरठ • लघुसिद्धांतकौमुदी डॉ महेशचंद्र शर्मा , ज्ञान प्रकाशन ,मेरठ • संस्कृतनिबंध साहित्य भंडार मेरठ • संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme B.A.III Year	Year: 2021-22	Semester
Name of Faculty: Dr. Anju Rastogi		
Course Title: वेद - उपनिषद् - आर्षकाव्यम् - अलंकाराश्च		Credits: NIL
Course Code: A-330	Core Compulsory	
Max. Marks: 50	Theory	

Course Outcome:

- वैदिक ज्ञान, देवताओं के स्वरूप का ज्ञान,
- द्यूत (जुए) के दुष्परिणाम
- अध्यात्म विद्या, आत्म स्वरूप का ज्ञान
- दार्शनिक ज्ञान, आत्मनिष्ठा, दृढ़प्रतिज्ञा, लक्ष्यप्राप्ति, सही के लिए आवाज उठाना
- तार्किक शैली का विकास, सदसद्विवेकज्ञान, स्वयं एवं दूसरे के अधिकारों की सुरक्षा, न्यायप्रियता, प्राचीन ऐतिहासिक महाकाव्य द्वारा संस्कृति गौरव की अनुभूति
- काव्य शास्त्रीय ज्ञान द्वारा रचना कौशल का विकास, काव्य में सौंदर्य उत्पत्ति का ज्ञान

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	वेदसूक्तानि अग्निसूक्तम् ऋग्वेदे 1/1 अक्षसूक्तम् ऋग्वेदे 10/34 संज्ञानसूक्तम् ऋग्वेदे 10/191 (व्याख्यात्मकध्ययनम्)	15
II	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय:) (व्याख्यात्मकध्ययनम्)	30
III	महाभारते यक्ष युधिष्ठिर - संवाद: (व्याख्यात्मकध्ययनम्)	30
IV	काव्यदीपिका अलंकारा: - अनुप्रास: ,यमक: , श्लेष: , उपमा , रूपकम् , उत्प्रेक्षा , संदेह:, भ्रांतिमान् , विभावना , विशेषोक्ति	15

Suggested Readings:

- वेदामृतम् - ग्रंथम्, कानपुर
- कठोपनिषद् साहित्य भंडार मेरठ
- यक्ष युधिष्ठिर - संवाद: साहित्य भंडार मेरठ
- काव्यदीपिका डॉ कर्ण सिंह साहित्य भंडार मेरठ

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme B.A.III Year	Year: 2021-22	Semester
Name of Faculty: Dr. Anju Rastogi		
Course Title: गद्यकाव्यम् - नीतिकाव्यम् - व्याकरणम् छंदश्च		Credits:NIL
Course Code: A-331	Core Compulsory	
Max. Marks: 50	Theory	

Course Outcome:

- ऐतिहासिक नायकों की गौरव गाथा से परिचय
- राष्ट्रीय स्वाभिमान, राष्ट्ररक्षा, युद्धनीति
- जीवन प्रबंधन, सत्संगति, परोपकार, विद्या का महत्व
- भाषागत व्याकरण का ज्ञान शुद्धि एवं रचना कौशल

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	शिवराजविजय: अंबिकादत्तव्यास: (व्याख्यात्मकध्ययनम्) प्रथम नि:श्वास	30
II	भर्तृहरिकृत नीतिशतकम् (व्याख्यात्मकध्ययनम्)	30
III	लघु सिद्धांत कौमुदी कृदन्त प्रकरणम् तव्यत् अनीयर् अच् यत् ण्यत् ण्वुल तृच् अण् क्तवा ल्यप् शतृ शानच्	15
IV	वृत्तरत्नाकर : - आर्या, अनुष्टुप, इंद्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलंबितम्, वसंततिलिका, मंदाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्त्रग्धरा	15

Suggested Readings:

- शिवराजविजय अंबिकादत्तव्यास (प्रथम नि:श्वास) साहित्य भंडार, मेरठ
- शिवराजविजय अंबिकादत्तव्यास (प्रथम नि:श्वास) डॉ सुषमा प्रियंवदा प्रकाशन, मुजफ्फरनगर
- भर्तृहरिकृत नीतिशतकम् डॉ विष्णुदत्त शास्त्री ,ज्ञान प्रकाशन , मेरठ
- लघुसिद्धांतकौमुदी डॉ महेशचंद्र शर्मा , ज्ञान प्रकाशन ,मेरठ
- वृत्तरत्नाकर साहित्य भंडार, मेरठ
- छंदो ज्ञानम् डॉ रणजीत , शर्मा ज्ञान प्रकाशन ,मेरठ

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme MA 1st	Year: 2021-22	Semester: I
Name of Faculty: Dr. Upasana Singh		
Course Title: वेद,उपनिषद्,शिक्षा एवं वैदिक साहित्य का इतिहास	Credits: NIL	
Course Code: G-1082	Core Compulsory	
Max. Marks: 100	Theory	

Course Outcome:

- वैदिक ज्ञान, अध्यात्म विद्या,
- देवताओं के स्वरूप का ज्ञान,
- आत्म स्वरूप का ज्ञान
- वैदिक साहित्य का ज्ञान

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	ऋग्वेद सूक्त 1. ज्ञान (10/ 71) 2. उषस् (3/ 61) 3. पुरुष (10/90) 4. हिरण्यगर्भ (10/ 121) 5. वाक् (10/ 125)	30
II	ईशावास्योपनिषद् एवं तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली)	30
III	पाणिनीय शिक्षा (1 - 40)	20
IV	वैदिक साहित्य का इतिहास(चारों वेदों का सामान्य परिचय)	10

Suggested Readings:

- ऋग्वेद संहिता- सम्पा रामगोविन्द त्रिवेदी चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- तैत्तिरीयोपनिषद् – गीताप्रेस गोरखपुर
- ईशावास्योपनिषद् - ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस गोरखपुर
- पाणिनीय शिक्षा - सम्पा० विद्यासागर डॉ० दामोदर महतो, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- वैदिक साहित्य और संस्कृति ; आचार्य बलदेव उपाध्याय, वाराणसी,

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

<table>
<tr><td colspan="2">Programme MA 1st</td><td colspan="2">Year: 2021-22</td><td>Semester: I</td></tr>
<tr><td colspan="5">Name of Faculty: Dr.Poonam Lakhanpal</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Title: भारतीय दर्शन (न्याय वैशेषिक, संख्या एवं इतिहास)</td><td>Credits: NIL</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Code: G-1083</td><td colspan="2">Core Compulsory…</td></tr>
<tr><td colspan="3">Max. Marks: 100</td><td colspan="2">Theory</td></tr>
<tr><td colspan="5">Course Outcome:
• भारतीय दर्शन - अध्यात्म चेतना
• मानसिक शान्ति प्राप्ति के उपाय
• सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त का ज्ञान</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="3">Topics</td><td>No. of Lectures: 90</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="3">तर्कभाषा (अर्थापति प्रमाण पर्यंत)</td><td>30</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="3">सांख्यकारिका– ईश्वर कृष्ण (कारिका 1 से 30 तक)</td><td>25</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="3">सांख्यकारिका– (कारिका 31 से अंत तक)</td><td>25</td></tr>
<tr><td>IV</td><td colspan="3">भारतीय दर्शन का इतिहास</td><td>10</td></tr>
<tr><td colspan="5">Suggested Readings:
• तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञान मंडल प्रकाशन, वाराणसी
• तर्कभाषा- आचार्य श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ
• सांख्यकारिका - डॉक्टर आघा प्रसाद मिश्र, इलाहाबाद
• सांख्यकारिका - ज्ञान प्रकाशन मेरठ
• भारतीय दर्शन -बलदेव उपाध्याय -वाराणसी</td></tr>
<tr><td colspan="5">Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation</td></tr>
</table>

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

<table>
<tr><td>Programme M.A.</td><td>Year: 2021-22</td><td>Semester - I</td></tr>
<tr><td colspan="3">Name of Faculty: Dr. Anju Rastogi</td></tr>
<tr><td colspan="2">Course Title: नाटिका एवं नाट्यशास्त्र</td><td>Credits:NIL</td></tr>
<tr><td>Course Code: G 1084</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td>Max. Marks: 50+50 =100</td><td colspan="2">Theory</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Outcome:
नाटिका एवं नाट्यशास्त्र - नाट्यसाहित्य के इतिहास द्वारा भारतीय संस्कृत नाटकों का ज्ञान
नाट्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों का परिचय प्राप्त करना
रंगमंच तथा अभिनय के सूक्ष्म बिन्दुओं को जानना
संस्कृत नाट्य साहित्य के इतिहास का ज्ञान</td></tr>
</table>

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	रत्नावली नाटिका (अंक 1 व 2)	20
II	भरत मुनि का नाट्यशास्त्र (द्वितीय)	20
III	दशरूपक - धनञ्जय (प्रथम प्रकाश)	20
IV	दशरूपक - धनञ्जय (तृतीय प्रकाश)	20
V	नाट्यशास्त्र का इतिहास	10

Suggested Readings:

- रत्नावली नाटिका - डॉ० शिवराज शास्त्री सम्पादित, साहित्य भंडार, मेरठ
- नाट्यशास्त्र - बाबू लाल शुक्ल, चौखम्बा सुभारती, वाराणसी
- नाट्यशास्त्र - साहित्य भण्डार, मेरठ
- दशरूपक - डॉ० भोला शंकर व्यास
- दशरूपक - डॉ० श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme M.A.	Year: 2021-22	Semester - I
Name of Faculty: Miss. Nishi		
Course Title: गीतिकाव्य एवं गद्य काव्य		Credits: NIL
Course Code: G 1085	Core Compulsory	
Max. Marks: 50+50 =100	Theory	

Course Outcome:

- गीतिकाव्य एवं गद्यकाव्य रूपक एवं चम्पूकाव्य का ज्ञान
- भौगोलिक दृष्टि से भारतवर्ष में मानसून के मेघ मार्ग का ज्ञान,
- प्रकृति के साथ तादात्म्य,
- प्रकृति-प्रेम तथा साहित्यिक रचना कौशल का विकास

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	मेघदूत (पूर्व मेघ)	25
II	मेघदूत (उत्तर मेघ)	25
III	कादंबरी कथामुख म-बाणभट्ट (मंगलाचरण से चाण्डाल कन्या वर्णन तक, विन्ध्याटवी वर्णन, अगस्त्याश्रम वर्णन, पम्पपासरोवर वर्णन, प्रभात वर्णन, जाबालि वर्णन, संध्या वर्णन, रात्रि वर्णन)	30
IV	गीतिकाव्य तथा गद्यकाव्य का इतिहास	10

Suggested Readings:

- मेघदूतम-ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- मेघदूतम-अमरनाथ शुक्ल, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme MA 1st	Year: 2021-22	Semester: II
Name of Faculty: Dr. Upasana Singh		
Course Title: संस्कृत महाकाव्य	Credits: NIL	
Course Code: G-2082	Core Compulsory…	
Max. Marks: 100	Theory	

Course Outcome:

- संस्कृत महाकाव्य इतिहास का ज्ञान
- संस्कृत के कवियों के व्यक्तित्व का ज्ञान
- राजनीति के गूढ़ तत्वों का ज्ञान प्रजापालन
- महाकाव्य द्वारा संस्कृति गौरव की अनुभूति
- ऐतिहासिक नायकों की गौरव गाथा से परिचय
- राष्ट्रीय स्वाभिमान राष्ट्र रक्षा युद्ध नीति जीवन प्रबंधन

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	भारवि –किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग)	25
II	माघ –शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग)	25
III	श्री हर्ष – नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग 1से100 श्लोक)	30
IV	संस्कृत महाकाव्य का इतिहास	10

Suggested Readings:

- किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग), डॉ राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग), अनु.श्री रामप्रताप त्रिपाठी, शास्त्री हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
- नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग 1से 100 श्लोक), साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य की रूपरेखा - श्री चन्द्रशेखर पाण्डेय, साहित्य भण्डार मेरठ

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme MA 1st	Year: 2021-22	Semester: I I
Name of Faculty: Dr. Poonam Lakhanpal		
Course Title: संस्कृत काव्यशास्त्र	Credits: NIL	
Course Code: G-2083	Core Compulsory	
Max. Marks: 100	Theory	

Course Outcome:

- संस्कृत काव्यशास्त्र - संस्कृत काव्य रचना हेतु लक्षण एवं सिद्धान्तो का परिचय प्राप्त करना,
- संस्कृत काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदायों का ज्ञान कराना
- काव्य शास्त्रीय ज्ञान द्वारा रचना कौशल का विकास काव्य में सौंदर्य उत्पत्ति का ज्ञान

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	मम्मट–काव्य प्रकाश (प्रथम उल्लास)	15
II	मम्मट –काव्य प्रकाश (दितीय एवं तृतीय उल्लास)	30
III	मम्मट –काव्य प्रकाश(चतुर्थ उल्लास) अभिनव गुप्त की रस सूत्र – व्याख्या पर्यन्त	10
IV	मम्मट – काव्य प्रकाश (सप्तम उल्लास से रस दोष)	15
V	मम्मट – काव्य प्रकाश (नवम एवं दशम उल्लास से अधोलिखित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण तथा दो अलंकारों में परस्पर अंतर– अनुप्रास, यमक, श्लेष, दीपक , तुल्ययोगिता , उपमा, उत्प्रेक्षा	20

Suggested Readings:

- रूपक अर्थान्तरन्यास, दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति, समासोक्ति, सन्देह एवं भ्रांतिमान)।
- काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर , ज्ञान मंडल वाराणसी १९६०
- काव्यप्रकाश- श्री निवास शास्त्री, साहित्य भंडार , मेरठ
- काव्यशास्त्र का इतिहास-डॉक्टर सत्य देव चौधरी, दिल्ली

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

<table>
<tr><td>Programme M.A.</td><td>Year: 2021-22</td><td colspan="2">Semester - II</td></tr>
<tr><td colspan="4">Name of Faculty: Dr. Anju Rastogi</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Title: संस्कृत व्याकरण, निबन्ध एवं अनुवाद</td><td>Credits:NIL</td></tr>
<tr><td>Course Code: G 2084</td><td colspan="3">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td>Max. Marks: 50+50 =100</td><td colspan="3">Theory</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcome:
भाषागत व्याकरण का ज्ञान,
भाषा शुध्दि एवं रचना कौशल
निबंधों के अध्ययन से विशिष्ट विषय का सम्यक बोध
अनुवाद के माध्यम से भाषा का साहित्य एवं व्यवहारिक प्रयोग</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="2">Topics</td><td>No. of Lectures: 90</td></tr>
<tr><td colspan="4"></td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="2">कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी)</td><td>20</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="2">स्त्री प्रत्यय (सिद्धान्त कौमुदी)</td><td>15</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="2">तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) अण्, इञ्, त्व, तल्, मतुप् ढक्, तरप्, तमप्, इनि, ईयसुन् प्रत्यय</td><td>25</td></tr>
<tr><td>IV</td><td colspan="2">निबन्ध</td><td>15</td></tr>
<tr><td>V</td><td colspan="2">अनुवाद (क) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
(ख) संस्कृत (अपठित) से हिन्दी में अनुवाद</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="4">Suggested Readings:
सिद्धान्तकौमुदी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
संस्कृत व्याकरण - डॉ मधु सक्सेना, मानसी प्रकाशन, मेरठ
संस्कृत रचनानुवाद प्रभा - श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
निबन्धशतकम् - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
संस्कृत निबन्ध रत्नाकर - डॉ॰ शिव प्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली 6
संस्कृत निबन्धावलि: - डॉ॰ रामजी उपाध्याय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद</td></tr>
<tr><td colspan="4">Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation</td></tr>
</table>

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

<table>
<tr><td>Programme M.A.</td><td>Year: 2021-22</td><td colspan="2">Semester - II</td></tr>
<tr><td colspan="4">Name of Faculty: Miss Nishi</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Title: रूपक और चम्पू काव्य</td><td>Credits: NIL</td></tr>
<tr><td colspan="2">Course Code: G 2085</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 50+50 =100</td><td colspan="2">Theory</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcome:
प्रकृति के साथ तादात्म्य
प्रकृतिप्रेम तथा साहित्यिक रचना कौशल का विकास
राज व्यवस्था के गुण दोषों का ज्ञान
राम के आदर्श चरित्र से प्रेरणा
करुण रस में भी आनंदानुभूति</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="2">Topics</td><td>No. of Lectures: 90</td></tr>
<tr><td colspan="4"></td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="2">शूद्रक - मृच्छकटिकम् (अंक 1 से 3)</td><td>30</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="2">भवभूति - उत्तररामचरितम् (अंक 1 से 3)</td><td>30</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="2">नलचम्पू - प्रथम उच्छ्वास (आर्यावर्त वर्णन तक)</td><td>15</td></tr>
<tr><td>IV</td><td colspan="2">रूपक तथा चम्पू काव्य का उद्भव और विकास</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="4">Suggested Readings:
उत्तररामचरितम् - आचार्य प्रभुदत्त स्वामी , ज्ञान प्रकाशन
भवभूति उत्तररामचरितम् - महालक्ष्मी प्रकाशन, शहीद भगत सिंह मार्ग, आगरा
मृच्छकटिकम् - एम.आर. काले , मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली
नल चम्पू - साहित्य भण्डार, मेरठ
संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी</td></tr>
<tr><td colspan="4">Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation</td></tr>
</table>

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme MA 2nd	Year: 2021-22	Semester: III
Name of Faculty: Dr. Upasana Singh		
Course Title: संहिता एवं निरुक्त	Credits: NIL	
Course Code: G-3082	Core Compulsory…	
Max. Marks: 100	Theory	

Course Outcome:

- वैदिक ज्ञान,
- देवताओं के स्वरूप का ज्ञान
- अध्यात्म विद्या
- आत्म स्वरूप का ज्ञान
- वैदिक साहित्य का ज्ञान

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	ऋग्वेद – 1. नासदीय सूक्त (10/129) 2. सरमा पाणि (10/ 180) 3. विश्वामित्र – नदी (3/ 33)	30
II	शुक्ल यजुर्वेद – 1 शिव संकल्प, अध्याय 34,(1 - 6) 2. प्रजापति अध्याय 25(1 -5)	20
III	अथर्ववेद – 1. राष्ट्राभिवर्धनम (1/ 29) 2. काल (10. 53) 3. पृथिवी सूक्त (12/ 1 से 1 - 15 मन्त्र)	20
IV	निरुक्त – यास्क (प्रथम अध्याय)	30

Suggested Readings:

- ऋग्वेद संहिता- सम्पा रामगोविन्द त्रिवेदी चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- वैदिक साहित्य और संस्कृति ; आचार्य बलदेव उपाध्याय, वाराणसी,
- निरुक्त–यास्क (प्रथम अध्याय), डॉ उमा शंकर ऋषि
- निरुक्त–यास्क, डॉ श्रीकान्तपाण्डेय,साहित्य भण्डार, मेरठ

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

<table>
<tr><td colspan="2">Programme MA 2nd</td><td colspan="2">Year: 2021-22</td><td>Semester: III</td></tr>
<tr><td colspan="5">Name of Faculty: Dr. Poonam Lakhanpal</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Title: ध्वनि तथा व्यंजना संस्थापन एवं काव्यशास्त्रीय षट्प्रस्थान</td><td colspan="2">Credits: NIL</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Code: G-3083</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td colspan="3">Max. Marks: 100</td><td colspan="2">Theory</td></tr>
<tr><td colspan="5">Course Outcome:
• संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान कराना
• संस्कृत काव्य रचना हेतु लक्षण एवं सिद्धान्तो का परिचय प्राप्त करना,
• संस्कृत काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदायों का ज्ञान कराना</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="3">Topics</td><td>No. of Lectures: 90</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="3">प्रमुख ग्रंथ,प्रमुख चिन्तक, प्रमुख सिद्धांत</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="3">ध्वन्यालोक – आननंद वर्धन (प्रथम उद्योत)</td><td>30</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="3">काव्यप्रकाश – पंचम उल्लास (व्यंजना स्थापन)</td><td>30</td></tr>
<tr><td>IV</td><td colspan="3">काव्यप्रकाश – अष्टम उल्लास</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="5">Suggested Readings:
• संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास-डॉ नगेंद्र
• काव्यालंकारसूत्रवृत्ति - गंगानाथ, नई दिल्ली
• काव्यादर्श - डॉ श्रीकांत पांडे, साहित्य भंडार, मेरठ
• काव्यादर्श - डॉ योगेश्वर दत्तशर्मा, नाग प्रकाशन, दिल्ली
• ध्वन्यालोक - डॉ कृष्ण कुमार, साहित्य भंडार, मेरठ
• ध्वन्यालोक - संम्पा• डॉक्टर चंडिका प्रसाद शुक्ल, इलाहाबाद
• ध्वन्यालोक - सम्पा• के कृष्णमूर्ति, दिल्ली 1982</td></tr>
<tr><td colspan="5">Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation</td></tr>
</table>

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme M.A.	Year: 2021-22	Semester - III
Name of Faculty: Dr. Anju Rastogi and Miss. Nishi		
Course Title: भाषा विज्ञान एवं संस्कृत व्याकरण		Credits: NIL
Course Code: G 3084	Core Compulsory	
Max. Marks: 50+50 =100	Theory	

Course Outcome:

- वैश्विक एवं भारतीय भाषाओं की उत्पत्ति एवं विकास
- भाषाओं की विशेषताओ का ज्ञान
- भाषागत व्याकरण का ज्ञान,
- भाषा शुध्दि एवं रचना कौशल
- धातु रूप निर्माण विधि से साहित्य एवं व्यवहारिक प्रयोग में निपुणता

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाऐं एवं कारण	10
II	वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की दिशाऐं एवं कारण	10
III	ध्वनि परिवर्तन की दिशाऐं, ध्वनि नियम (ग्रीम, ग्रासमान)	10
IV	भाषाओं का वर्गीकरण - (क) आकृतिमूलक - अयोगात्मक भाषा, योगात्मक भाषा, श्लिष्ट, अश्लिष्ट, एवं प्रश्लिष्ट (ख) पारिवारिक - स्वरूप एवं आधार	10
V	भारोपीय परिवार का महत्त्व एवं विशेषताऐ भारोपीय परिवार की शाखाएं - केन्तुम् और शतम् वर्ग आर्य ईरानी शाखा - आर्य परिवार, वैदिक, संस्कृत एवं अवेस्ता प्राचीन भारतीय आर्य भाषाऐं - वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की तुलना	10
VI	समास प्रकरण - (लघु सिद्धांत कौमुदी)	20
VI	भू, एध् धातु के लट्, लोट्, वृक्ष, लङ्, विधिलिङ् लकारों की रूप सिद्धि (सिद्धांत कौमुदी)	20

Suggested Readings:

- भाषा विज्ञान - डॉ कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

• भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी • अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन - डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी • संस्कृत व्याकरण - डॉ मधु सक्सेना, मानसी प्रकाशन, मेरठ • संस्कृत व्याकरण - डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme M.A.	Year: 2021-22	Semester - III
Name of Faculty: Dr. Poonam Lakhanpal and Dr. Anju Rastogi		
Course Title: प्रयोगिकी एवं मौखिकी		Credits: NIL
Course Code: G-782	Core Compulsory	
Max. Marks: 50+50 =100	Practical	

Course Outcome:

- भाषागत व्याकरण का ज्ञान
- भाषा शुध्दि एवं रचना कौशल
- वर्णोच्चारण का ज्ञान
- योगासन एवं प्राणायाम के द्वारा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का ज्ञान कराना

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
	वैकल्पिक	
I	वर्णोच्चारण विधान कंठयौ अहौ, इचुयशा: तालव्या, औष्ठजौ उपू, ऋटुरषा: मूर्धन्या, लृतुलसा:, दंत्या:, जिहवामूले तु कु, व: दंत्योष्ठ्यम् ए ऐ कंठतालव्यौ, ओ औ कंठ औष्ठजौ	
II	साहित्य से छंदों का संकलन (लक्षण एवं उदाहरण सहित) अनुष्टुप् , मालिनी , वंशस्थ , इंद्रवज्रा , शिखरिणी , वसंततिलका , त्रोटक , वियोगिनी , मंदाक्रांता , शार्दूलविक्रीडित , स्त्रग्धरा , आर्या , उपजाति , द्रुतविलंबित	
III	बिब्ल्योग्राफी – वेद , दर्शन , पुराण , कवि ,	
IV	योगासन एवं प्राणायाम	
V	14 माहेश्वर सूत्र तथा उनसे प्रत्याहार रचना	
VI	निबन्धलेखन	

Suggested Readings:

- मेघदूतम् - अमरनाथ शुक्ल, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- उत्तररामचरितम् - आचार्य प्रभुदत्त स्वामी , ज्ञान प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी - सम्पा. श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1969
- पाणिनीय शिक्षा संपादक - विद्यासागर डॉ दामोदर महतो, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- संस्कृत निबन्ध रत्नाकर - डॉ० शिव प्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली 6
- संस्कृत निबन्धावलि: - डॉ० रामजी उपाध्याय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme MA 2nd	Year: 2021-22	Semester: IV
Name of Faculty: Dr. Upasana Singh		
Course Title: भारतीय दर्शन,योग, तथा मीमांसा दर्शन	Credits: NIL	
Course Code: G-4082	Core Compulsory…	
Max. Marks: 100	Theory	

Course Outcome:

- भारतीय दर्शन का ज्ञान
- मानसिक शान्ति प्राप्ति के उपाय
- सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त का ज्ञान
- अध्यात्म चेतना , यज्ञ एवं कर्मकाण्ड का ज्ञान
- योगाभ्यास का ज्ञान

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I- II	वेदान्तसार (सम्पूर्ण)	40
III	पातञ्जलयोग सूत्र (समाधिपाद)	25
IV	अर्थसंग्रह –व्याख्या हेतु निर्धारित अंश–आदितः आर्थीभावना पर्यन्तम्। निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी अपेक्षित हैं – धर्म लक्षण,शाब्दीभावना , अर्थीभावना , वेदस्वरूप ,विधिस्वरूप, उत्पत्तिविधि , विनियोगविधि, प्रयोगविधि , अधिकारविधि , मंत्र , नामधेय ,अर्थवाद एवं निषेध।	25

Suggested Readings

- वेदान्तसार -डॉ0 अवनीन्द्र कुमार,परिमल पब्लिकेशंस, दिल्ली
- वेदान्तसार - डॉ0 सन्तनारायण श्रीवास्तव, इलाहाबाद
- वेदान्तसार - डॉ0 राममूर्तिशर्मा, दिल्ली
- पातञ्जलयोग दर्शन, आचार्य उदयवीर शास्त्री, दिल्ली
- अर्थसंग्रह - डॉ0 राकेश शास्त्री चौखम्बा ओरियंटालिया
- सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशङ्कर शर्मा, चौखम्बा विघाभवन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन का इतिहास- आचार्य उमश मिश्र हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- भारतीय दर्शन का इतिहास - डॉ0 श्रीकांत पाण्डेय, साहित्य बाजार,मेरठ

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi
Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

Programme M.A.	Year: 2021-22	Semester - IV
Name of Faculty: Miss. Nishi		
Course Title: धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र		Credits: NIL
Course Code: G- 4083	Core Compulsory	
Max. Marks: 50+50 =100	Theory	

Course Outcome:

- धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र - राजनीति के गूढरहस्यो का परिचय
- भारतीय संस्कृति तथा धर्म शास्त्र के इतिहास का ज्ञान
- उत्तम शासक नेता के गुण एवं दायित्व
- प्रजा सेवा एवं सुरक्षा
- संपत्ति विभाजन का ज्ञान

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	मनुस्मृति (सप्तम अध्याय)	25
II	याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय से दायभाग प्रकरण)	25
III	कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम विनयाधिकारिक)	25
IV	धर्मशास्त्र का इतिहास	15

Suggested Readings:

- मनुस्मृति - संपादक जे.के जैन, साहित्य भंडार मेरठ
- मनुस्मृति - सम्पादक प्रवीणप्रलयंकर ,न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन , दिल्ली
- याज्ञवल्यक्य स्मृति (मिताक्षरा टीका)
- कौटिल्य अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, वाराणसी
- धर्मशास्त्र का इतिहास - पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान , लखनऊ १९६३

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut

Curriculum Teaching Plan

Department of Sanskrit

<table>
<tr><td>Programme M.A.</td><td>Year: 2021-22</td><td colspan="2">Semester - IV</td></tr>
<tr><td colspan="4">Name of Faculty: Dr. Anju Rastogi</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Title: ब्राह्मण , प्रातिशाख्य एवं निरुक्त</td><td>Credits: NIL</td></tr>
<tr><td colspan="2">Course Code: G 4084</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 50+50 =100</td><td colspan="2">Theory</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcome:
ब्राह्मण प्रातिशाख्य - वैदिक साहित्य के प्रातिशाख्यो से परिचय
राजा हरिश्चन्द्र के ऐतिहासिक महत्व से परिचित कराना
देवताओं के स्वरूप का ज्ञान
पदों के निर्वचन का महत्व</td></tr>
</table>

Unit	Topics	No. of Lectures: 90
I	ऐतरेय ब्राह्मण (अध्याय ३३) हरिश्चंद्रोपाख्यानम् (शुनः शेपाख्यान)	25
II	ऋग्वेद प्रातिशाख्य प्रथम पटल (१-२५ सूत्र)	15
III	निरुक्त - द्वितीय अध्याय, प्रथम तथा द्वितीय पाद	25
IV	निरुक्त - सप्तम अध्याय	25

Suggested Readings:

- ऐतरेय ब्राह्मण- सुधाकरमालवीय चौखम्बा प्रकाशन
- हरिश्चंद्रोपाख्यानम् डॉ उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' , चौखंबा विद्याभवन वाराणसी
- ऋग्वेद प्रातिशाख्य (उव्वट भाष्य)
- निरुक्तम् - श्रीकांत पांडेय, साहित्य भंडार, मेरठ
- निरुक्तम् - डा. उमाशंकर 'ऋषि'

Continuous Evaluation Methods: Test and Presentation

For Anju Rastogi

Department of Sanskrit
R.G. (P.G.) College
Meerut